

दैनिक

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त



मुंबई हलचल

अब हर सच होगा उजागर



इरफान खान को किया गया सुपुर्द-ए-खाक

कब्रिस्तान में
मौजूद रहे दोनों बेटे
बाबिल और अयान,
20 लोग मौजूद रहे

मुंबई। दिग्गज बॉलीवुड एक्टर इरफान खान ने लंबी बीमारी के बाद बुधवार को इस दुनिया को अलविदा कह दिया। इरफान मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में भर्ती थे। पूरे बॉलीवुड में इस खबर के बाद शोक की लहर है और देशों लोग सोशल मीडिया पर इरफान को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। इरफान का निधन चूक लॉकडाउन में हुआ है इसलिए नियमों का बहुत कड़ाई से पालन किया गया।
(शेष पृष्ठ 3 पर)



ऋषि कपूर का निधन

ऋषि कपूर को ल्यूकेमिया था, चेस्ट इन्फेक्शन के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया

अंतिम यात्रा में केवल 20 लोगों को इजाजत



मुंबई। ऋषि कपूर नहीं रहे। वे 67 साल के थे। ल्यूकेमिया यानी ब्लड कैंसर से जूझ रहे थे। गुरुवार सुबह मुंबई के एचएन रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल में उनका निधन हो गया। बुधवार को इरफान खान के निधन की खबर से बॉलीवुड उबरा भी नहीं था कि ऋषि कपूर के जाने की खबर आ गई। वे खुशामिजाजी के लिए जाने जाते थे। आखिरी वक्त तक भी उन्होंने अपना यह अंदाज नहीं छोड़ा। अस्पताल में डॉक्टरों-मेडिकल स्टाफ को हंसाते रहे, उनका मनोरंजन करते रहे।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

भारतीय उद्योगपति बीआर शेटी बर्बाद

सभी खाते किए सीज, कम्पनियां ब्लैक लिस्ट

नई दिल्ली। यूएई के सेंट्रल बैंक (CBUAE) ने देश में वित्तीय संस्थानों को भारतीय अरबपति बीआर शेटी और उनके परिवार के सभी बैंक खातों की खोज करने और उन्हें फ्रीज करने के निर्देश दिए हैं और अपने पूरे वरिष्ठ प्रबंधन के साथ उनसे जुड़ी कई फर्मों को ब्लैकलिस्ट भी कर दिया है। खबर के अनुसार, CBUAE ने सभी वित्तीय संस्थानों को निर्देश दिया कि वे शेटी के खातों से स्थानान्तरण को रोकें और जमा बॉक्स तक पहुंच से वंचित करें।
(शेष पृष्ठ 3 पर)



क्या
बीजेपी और
आरएसएस
की वजह
से बिजनेस
टाइकून बीआर
शेटी को दुबई
में मिली बड़ी
सजा?

दुबई में अरबों खबरों रियाल कमाकर भारत में आरएसएस को फंडिंग करने वाले बीआर शेटी के सभी खाते दुबई में सीज कर दिए गये हैं और दुबई में चल रही उनकी सभी कंपनियों को ब्लैक लिस्ट में डाल दिया गया है।

संपादकीय

अलविदा इरफान

अपनी अनुपम सहजता से अभिनय का वैभव गढ़ने वाले अभिनेता इरफान की विदाई न केवल मनोरंजन उद्योग, बल्कि भारतीय समाज के लिए भी एक अपूरणीय क्षति है। अभी गत शनिवार को ही जयपुर में उनकी मां सईदा बेगम का निधन हुआ था और बुधवार को इरफान भी हमारे बीच से चले गए। उनके जाने से फिल्मों की दुनिया में स्वाभाविक ही जो शोक की लहरें उठी हैं, वे कुछ दिनों तक उनके मुरीदों को खूब भिगोएंगी। बहुत याद आएंगे इरफान और टीवी धारावाहिक श्रीकांत व भारत एक खोज से शुरू हुआ उनका पेशेवर कला जीवन। इरफान अभिनय के प्रति जुनून वाले अभिनेता थे, इसलिए उनके शुरुआती काम को देखकर ही लग गया था कि वह कला-दुनिया में दूर और ऊंचाई तक जाएंगे। प्रतिकूल पारिवारिक पृष्ठभूमि के बावजूद जयपुर से एक हठ के साथ निकले और नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से प्रशिक्षित इरफान ने मनोरंजन की दुनिया में इतना लंबा सफर तय किया कि वह हमेशा एक मिसाल रहेंगे। अव्वल तो यह दूरदर्शन या छोटे परदे के लिए भी हमेशा गर्व की बात रहेगी कि उसने अपने शुरुआती दौर में एक ऐसे कलाकार को मौका दिया, जो आगे चलकर न केवल भारतीय सिनेमा, बल्कि वैश्विक सिनेमा का एक चमकदार चेहरा बना। भारतीय सिनेमा की दुनिया में इरफान जैसे उर्वर अभिनेता को परखने और उनसे सीखने की जरूरत हमेशा रहेगी। बेशक, इरफान की सबसे बड़ी पूंजी उनकी आंखें रही। कुछ उभरी हुई, बड़ी-बड़ी आतुर आंखें, जो उनकी भाव प्रबलता को आसानी से सरेआम कर देती थीं। उन्होंने फिर एक बार सिद्ध किया कि कद-काठी कुछ खास मायने नहीं रखती। चॉकलेटी और पहलवान होना भी जरूरी नहीं है। जो भी है, आपके अंदर है, वही सात्विक अभिनय के रूप में बाहर आना चाहिए। भारत में ऐसे आला दर्जे के मेथड एक्टर बहुत कम हैं, जो यह आभास नहीं होने देते कि वे अभिनय कर रहे हैं। खासकर 2001 में बनी द वॉरियर से लेकर अंग्रेजी मीडियम (2020) तक इरफान के अभिनय का शानदार सफर हमेशा काबिले-गौर रहेगा। न जाने कितनी भूमिकाओं को उन्होंने परदे पर जीवंत कर दिया, इनमें पान सिंह तोमर एक ऐसी फिल्म है, जो हमेशा कालजयी फिल्मों में गिनी जाएगी। यह बेहिचक स्वीकार करना चाहिए कि एक अभिनेता के रूप में उनकी सहजता हिंदी सिनेमा के अलग-अलग खेमों या पहलुओं के बीच के अंतर को मिटा देती थी। हिंसा का प्रदर्शन हो या प्रेम का, अमीरी का प्रदर्शन हो या गरीबी का, क्रोध में उतरना हो या हास्य में, इरफान हर जगह मिसाल कायम करके ही लौटते थे। पुरस्कारों की बात करें, तो ऐसा दौर आ चुका था, जब वह किसी भी तरह के सिनेमा में नजरअंदाज नहीं किए जा सकते थे। मकबूल, हैदर, पीकू, हिंदी मीडियम, द लंच बॉक्स, तलवार, लाइफ ऑफ पाइ, रोग, हासिल आदि 50 से ज्यादा यादगार फिल्मों वह दे गए हैं।

महाराष्ट्र का 'अस्वस्थ' राजपाट, स्वस्थ मन से काम नहीं कर रही सरकार

विमान में यात्रा करते समय निर्देश जारी किया जाता है कि दूसरों की मदद करने से पहले खुद की सुरक्षा पर ध्यान दें। जबकि महाराष्ट्र में कोरोना रोगियों की बढ़ती संख्या और सरकार की स्थिति पर नजर डालें तो स्पष्ट हो जाता है कि सरकार खुद ही स्वस्थ मन से काम नहीं कर पा रही है तो राज्य को कैसे स्वस्थ रख पाएगी।

बड़ी जद्दोजहद के बाद नवंबर के अंतिम सप्ताह में शपथ लेनेवाली तीन दलों की सरकार की कार्यशैली सवाल के घेरे में है, क्योंकि लॉकडाउन केंद्र से पहले लागू करने एवं उसके बाद भी आगे बढ़ाने की मानसिकता दिखाने के बावजूद महाराष्ट्र में कोरोना काबू में आता नहीं दिखाई दे रहा है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई की हालत तो और खराब है। रोज कोरोना रोगियों की जितनी संख्या पूरे देश में सामने आती है, उतनी अकेले मुंबई दे देता है। जबकि यह वही मुंबई है, जिसकी महापालिका पर पिछले 30 साल से लगातार एक ही दल शिवसेना का शासन है। बजट की भी कोई कमी नहीं है बीएमसी के पास। कई छोटे-मोटे राज्यों से बड़ा बजट और जमापूंजी बीएमसी के पास है। इसके बावजूद मुंबई की झोपड़पट्टियां कोरोना का हॉटस्पॉट बनी हुई हैं। सरकार तीन दलों की है। लेकिन इस संकटकाल में सक्रियता सिर्फ एक दल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के तीन मंत्रियों की दिखाई दे रही है। गृह मंत्री अनिल देशमुख, स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, ये तीनों राकांपा से हैं। कांग्रेस भी सरकार



में शामिल है, इसका पता तो तभी चलता है, जब पालघर में दो साधुओं की बर्बर हत्या के बाद एक चैनल के पत्रकार द्वारा कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष से सवाल पूछ लिया जाता है। स्वयं शिवसेना का प्रतिनिधित्व भी सप्ताह में एक बार इसके अध्यक्ष एवं राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के वेबकास्ट से प्रदर्शित होता है। जहां वह 15-20 मिनट के लिए जनता के सामने आकर अपनी बात कहते हैं और गायब हो जाते हैं। इस साप्ताहिक वक्तव्य के लिए उन्हें 'अच्छे वक्ता' का खिताब भी सोशल मीडिया पर उनके प्रशंसकों द्वारा दिया जा चुका है। इसके अतिरिक्त सुदृढ़ शासन के और कोई लक्षण उनकी ओर से अब तक नहीं दिखाए गए हैं।

सरकार में सर्वाधिक 'सक्रिय' दिखाई दे रही राकांपा के गृह मंत्री अनिल देशमुख की सक्रियता सबसे पहले एक टेलीविजन चैनल पर दिखाई पड़ी, जहां वह अपने विभाग के एक कांस्टेबल के साथ प्रकट हुए। कांस्टेबल का डंडा स्वयं अपने हाथ में लेकर उन्होंने घोषणा की कि

सड़क पर कोई दिखाई दिया तो उसकी टांगें तोड़ दी जाएंगी। ताज्जुब की बात यह कि जब टीवी पर डंडा दिखा रहे थे, उसी दौरान उनकी नाक के नीचे अतिरिक्त गृहसचिव महोदय पहले से कई आरोपों में घिरे वाधवान खानदान को अपना परिचित बताकर खंडाला से महाबलेश्वर जाने की अनुमति प्रदान कर रहे थे। दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन मरकज प्रकरण के बाद सबसे पहले मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने अपने वेबकास्ट में घोषित किया कि दिल्ली से लौटे सभी सौ जमातियों की पहचान कर ली गई है। इसके कुछ दिन बाद ही मुंबई के आजाद मैदान पुलिस थाने में बीएमसी की सिफारिश पर 150 जमातियों के विरुद्ध एफआइआर दर्ज कर ली गई, क्योंकि वे सरकार से संपर्क नहीं कर रहे थे। इसके दो दिन बाद ही फिर गृहमंत्री का बयान आता है कि 56 जमातियों के फोन नहीं लग रहे हैं, इसलिए उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है। 150 जमातियों पर एफआइआर हुए भी अब करीब 15 दिन बीत चुके हैं। इनमें से कितने पुलिस को मिले, कितने गायब

हैं, इसकी कोई खबर फिलहाल नहीं है। यह मसला और गरम होता। लेकिन इसी बीच पालघर में दो साधुओं की निर्मम हत्या ने सरकार को फिर बैकफुट पर ला खड़ा किया। दुर्योग यह भी कि जिस इलाके में यह जघन्य कांड हुआ, वहां राकांपा समर्थित सीपीआई(एम) का विधायक है और यह क्षेत्र लंबे समय से ईसाई मिशनरियों के प्रभाव में रहा है। इसी प्रकरण से जुड़ा पत्रकार अर्नब गोस्वामी का प्रकरण भी सरकार की अस्वस्थता का ही परिचायक है। किसी सरकार के कामकाज पर सवाल उठाना तो पत्रकारिता का पहला धर्म है। लेकिन प्रश्न उठानेवाला ही सुरक्षित न रहे तो लोकतंत्र कैसा? सरकार की अस्वस्थता का एक और लक्षण कृषि क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। इस सरकार के 'अघोषित मुखिया' शरद पवार कृषि क्षेत्र के ही माहिर समझे जाते हैं। लगातार 10 साल तक देश के कृषि मंत्री रहे हैं। महाराष्ट्र में फलोत्पादन को बढ़ावा देने का श्रेय भी उन्हीं को जाता है। लेकिन इस साझा सरकार के कार्यकाल एवं कोरोना संकट के दौर में राज्य के फलोत्पादक किसान ही सर्वाधिक बर्बाद हो रहे हैं। कोकण के हापुस उत्पादक से लेकर नासिक के अंगूर उत्पादक किसानों तक, सभी चौपट हो चुके हैं। लॉकडाउन शुरू होने से पहले भी किसानों की बहुत सी फसलें तैयार थीं। उस समय सरकार उनकी खरीदी कर लेती तो आज किसानों के पास अगली फसल के लिए खाद और बीज का पैसा होता। तब शायद राज्य का स्वास्थ्य और बिगड़ने से बचाया जा सकता था।

स्वास्थ्य सुविधाओं के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने की

अमेरिका सहित तमाम विकसित देशों के पास ऐसे परमाणु हथियार हैं जो धरती को तबाह करने के लिए पर्याप्त हैं। आज के परमाणु बम वर्ष 1945 में हिरोशिमा पर गिराए गए बमों से 300 गुना अधिक शक्तिशाली हैं। हिरोशिमा पर गिराए गए बम से आज के बमों की तुलना इसलिए, क्योंकि उसके नुकसान को हम देख-समझ चुके हैं। इसके बावजूद विकसित देश लगातार अपने परमाणु हथियारों के आधुनिकीकरण में जुटे हैं। लेकिन कोविड-19 ने विकसित देशों के स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोल दी है। अमेरिका में अब तक इस बीमारी से दस लाख से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं और 50 हजार से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। स्थिति की गंभीरता को इससे ही समझा जा सकता है कि अमेरिका के सभी 50 राज्यों ने पहली बार आपदा घोषित की है। कुछ दिनों पहले वाशिंगटन में वर्ष 2021 के लिए अमेरिकी रक्षा विभाग के लिए 705 अरब डॉलर का रिकॉर्ड बजट घोषित हुआ तो दुनिया के सामरिक क्षेत्र में परमाणु हथियारों के आधुनिकीकरण की



नई होड़ प्रारंभ हो गई। इस बजट में दो नए परमाणु हथियार और दो नई मिसाइलों के विकास के लिए 19.8 अरब डॉलर का प्रावधान किया गया। इनमें एक है-डब्ल्यू 93 मिसाइल, जिसकी खासियतों को फिलहाल अमेरिका ने सार्वजनिक नहीं किया है। वहीं एक और परमाणु मिसाइल डब्ल्यू-87 का विकास भी होगा, जो कि वास्तव में जमीन से छोड़ी जाने वाली मिसाइलों पर तैनात करने योग्य 40 साल पुराने थर्मोन्यूक्लियर हथियार का नया डिजाइन होगा। इन हथियारों से अमेरिका के परमाणु ताकत में भारी वृद्धि हो जाएगी। लेकिन उसी अमेरिका में जैसे-जैसे कोरोना वायरस का प्रकोप बढ़ा, वैसे-

वैसे देश के हर कोने से डॉक्टरों और अस्पतालों के पीपीई किट्स और वेंटिलेटर्स की भारी कमी उजागर हुई। यह इस तथ्य को दर्शाता है कि अमेरिकी नीति निमार्ताओं की प्राथमिकता में बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं नहीं थीं। डब्ल्यू-93 मिसाइल और डब्ल्यू 87 मिसाइल के विकास से यह संकेत मिल रहा है कि अमेरिका अपनी सुरक्षा को एक बार फिर परमाणु हथियारों पर केंद्रित करने जा रहा है। अमेरिका को महान बनाने के लिए ट्रंप के इन प्रयासों ने संपूर्ण दुनिया में परमाणु हथियारों की होड़ पुनः प्रारंभ कर दी है। लेकिन उसी अमेरिका में महामारी प्रभावित इलाकों में जरूरी स्वास्थ्य उपकरणों की कमी से चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी भी कोविड-19 की चपेट में आ रहे हैं। पर्याप्त मेडिकल संसाधन नहीं उपलब्ध होने की वजह से कई अस्पतालों में स्वास्थ्य कर्मियों को अपनी हिफाजत के लिए इस्तेमाल हो चुके सामानों को फिर से प्रयोग करना पड़ रहा है। वेंटिलेटर्स की कमी के कारण अमेरिकी राज्य आपस में ही प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

खतरे में सीएम उद्धव ठाकरे की कुर्सी राज्यपाल कोश्यारी के पास लंबित नामांकन प्रस्ताव

मुंबई। एक तरफ महाराष्ट्र कोरोना वायरस के कहर से जूझ रहा है, वहीं दूसरी तरफ महाराष्ट्र में राजनीतिक संकट भी गहराता नजर आ रहा है। दरअसल मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का भविष्य अधर में लटक गया है क्योंकि राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने उनके विधान परिषद नामांकन पर फिलहाल फैसला नहीं किया है। उन्होंने राज्य के मंत्रियों के साथ बातचीत के दौरान ठाकरे के नामांकन को लेकर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी

(एनसीपी) के अजीत पवार और जयंत पाटील, शिवसेना के एकनाथ शिंदे और अनिल परब और कांग्रेस के बालासाहेब थोराट और असलम शेख जैसे मंत्रिमंडल के सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को राज्यपाल से मिलने के लिए पहुंचा। इसमें उन्होंने ठाकरे को परिषद का सदस्य नामांकित करने को लेकर राज्य मंत्रिमंडल की सिफारिश की। एक वरिष्ठ कैबिनेट सदस्य ने कहा, कोश्यारी ने हमारी बात सुनी लेकिन उनका रवैया टाल-मटोल वाला



रहा। इसलिए हमें नहीं पता कि वह हमारी याचिका को स्वीकार करेंगे या नहीं। उन्होंने कहा कि ठाकरे के नामांकन पर अनिश्चितता के मद्देनजर सरकार विधान परिषद चुनावों के लिए चुनाव आयोग से संपर्क करने पर विचार कर रही है। पहले की योजना के अनुसार नौ सीटों के लिए 24 अप्रैल को चुनाव होने थे और ठाकरे को चुनाव लड़ना था। हालांकि कोरोना वायरस की वजह से आयोग ने चुनाव को स्थगित कर दिया। इसी वजह से मुख्यमंत्री चाहते हैं कि राज्यपाल

अपने कोटे की खाली पड़ी दो सीटों में से एक पर उन्हें नामित कर दें। कैबिनेट ने 9 अप्रैल को राजभवन में उनके नामांकन के लिए एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया था, लेकिन हाल ही में यह बताया गया कि तकनीकी आधार पर उनकी याचिका पर कोई निर्णय नहीं लिया गया। जिसके बाद कैबिनेट ने सोमवार को नई सिरे से प्रस्ताव पारित किया। जिसमें आयोग को जल्द से जल्द या 20 मई से पहले राज्य में परिषद के चुनाव कराने के लिए कहा गया है।

एक महीने के भीतर विधान परिषद का सदस्य बनना होगा: उद्धव ठाकरे ने राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर 27 नवंबर को शपथ ली थी। वह इस समय न तो राज्य से विधायक हैं और न ही विधान परिषद के सदस्य। संविधान के अनुसार उन्हें छह महीने के अंदर किसी सदन का सदस्य बनना जरूरी है। जिसके लिए समयसीमा 27 मई को खत्म हो रही है।

कोरोना ने बिगाड़ा गणित: जनवरी 2020 में विधान परिषद की दो सीटों के लिए चुनाव भी हुए, लेकिन उद्धव ठाकरे ने चुनाव नहीं लड़ा। 24 मार्च को विधान परिषद की धुले नांदुरबार सीट पर उपचुनाव होना था। 24 अप्रैल को विधान परिषद की 9 और सीटें खाली हो गई हैं। उद्धव ठाकरे ने उम्मीद लगाई थी कि वह इनमें से किसी एक सीट से चुनाव जीत जाएंगे और मुख्यमंत्री बने रहेंगे। इसी बीच कोरोना वायरस ने सारी गणित बिगाड़ दी है। इन 10 सीटों पर चुनाव टाल दिए गए हैं।

‘मंत्रालय’ में पहुंचा कोरोना वायरस, 4 लोग पॉजिटिव



मुंबई। महाराष्ट्र में वायरस के बढ़ते संक्रमण के बीच कोरोना का इन्फेक्शन यहां मंत्रालय में भी पहुंच गया है। मंत्रालय के चार कर्मचारी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इसके बाद अगले दो दिनों के लिए मंत्रालय बंद कर दिया गया है। दूसरी ओर, कोरोना से पिछले चार दिनों में तीन सिपाहियों की मौत के कारण अगले आदेश तक मुंबई में ऐसे पुलिसवालों को घर में ही रहने को कहा गया है, जो 52 साल से ज्यादा उम्र के हैं और जिनका अलग-अलग बीमारियों की वजह से पहले से इलाज चल रहा है या जो 55 साल से ज्यादा उम्र के हैं।

महाराष्ट्र में प्लाज्मा थेरेपी का पहला प्रयोग सफल: टोपे

मुंबई। महाराष्ट्र में प्लाज्मा थेरेपी से कोविड-19 रोगी के इलाज का पहला प्रयोग सफल हो गया है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने बुधवार को यह जानकारी दी है। टोपे ने पत्रकारों से कहा, मुंबई के लीलावती अस्पताल में पहली प्लाज्मा थेरेपी सफल रही। हम मुंबई में ही बीवाईएल नायर अस्पताल में एक



अन्य रोगी पर दूसरा प्रयोग कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि इसमें भी सफलता मिलेगी। इस थेरेपी में कोविड-19 से ठीक हो चुके व्यक्ति के रक्त घटक प्लाज्मा को कोरोना वायरस से गंभीर रूप से बीमार रोगी के शरीर में स्थानांतरित किया जाता है। इसका अभी प्रयोग ही किया जा रहा है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

इरफान खान को किया गया सुपुर्द-ए-खाक

उनका अंतिम संस्कार बुधवार शाम 5 बजे मुंबई के वसोंवा स्थित काब्रिस्तान में किया गया। जहां उनका परिवार और दोनों बेटे मौजूद थे। लॉकडाउन के चलते इरफान की अंतिम यात्रा में सिर्फ 20 लोगों को जाने की इजाजत मिली थी। इनमें इंडस्ट्री से विशाल भारद्वाज और तिगमांशु धूलिया शामिल हुए। चूंकि इरफान का फैन बेस बहुत बड़ा है इसलिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई। बॉलीवुड स्टार्स की अंतिम यात्रा में आम तौर पर ढेरों बॉलीवुड सितारे शरीक नहीं हो सके। बता दें कि इरफान पिछले काफी वक्त से न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर से लड़ रहे थे और उन्हें आंतों का संक्रमण भी हो गया था। अंग्रेजी मीडियम आखिरी फिल्म है जिसमें उन्होंने काम किया। तमाम सितारों ने सोशल मीडिया पर इरफान के निधन का शोक व्यक्त किया है। शजीत सरकार ने ट्वीट कर लिखा- मेरा प्यारा दोस्त इरफान। तुम लड़े और लड़े और लड़े। मुझे तुम पर हमेशा गर्व रहेगा। हम दोबारा मिलेंगे। सुतापा और बाबिल को मेरी संवेदनाएं। तुमने भी लड़ाई लड़ी। सुतापा इस लड़ाई में जो तुम दे सकती थीं तुमने सब दिया। ओम शांति। इरफान खान को सलाम। बॉलीवुड सितारों के सिवा राजनेताओं ने भी इरफान के निधन पर शोक प्रकट किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इरफान खान के निधन पर ट्वीट कर दुख व्यक्त किया। पीएम मोदी ने लिखा कि इरफान खान के निधन से सिनेमा और थियेटर जगत को बड़ी क्षति हुई है। अलग-अलग माध्यमों में उनके शानदार काम के लिए उन्हें याद किया जाएगा।

भारतीय उद्योगपति बीआर शेटी बर्बाद

पिछले हफ्ते एक एडवाइजरी जारी करते हुए, शीर्ष बैंक ने फेडरल अर्टोनी जनरल के फैसलों का हवाला दिया और वित्तीय संस्थानों को शेटी या उनके परिवार के सदस्यों के नाम से किसी भी बैंक खाते, जमा या निवेश को खोजने और फ्रीज करने के लिए कहा। शेटी एनएमसी हेल्थ के संस्थापक हैं और वर्तमान में भारत में आरोपों का सामना कर रहे हैं। कुल मिलाकर, यूई बैंकों के पास शेटी की एनएमसी से अधिक 8bn का एक संयुक्त प्रदर्शन है जो ओमान स्थित बैंकों और वित्तीय संस्थानों के लिए भी पैसा देता है। एनएमसी हेल्थकेयर और एनएमसी होल्डिंग के लिए इसी तरह की एक सलाह जारी की गई है, जो कि प्लेनरी फंड प्रॉक्सिमिशन के प्रमुख के फैसले पर आधारित है। सेंट्रल बैंक ने शेटी से जुड़ी कई कंपनियों को ब्लैकलिस्ट भी कर दिया है। इन फर्मों के प्रमुख कर्मचारियों को समान रूप से ब्लैकलिस्ट किया गया है। शेटी के बिजनेस को तब करारा झटका लगा, जब पिछले साल दिसंबर में मड्रि वाटर रिसर्च के फाउंडर तथा शॉर्ट सेलर कारसन ब्लॉक ने अपनी एक रिपोर्ट में एनएमसी हेल्थ पर संपत्ति का फर्जी आंकड़ा देने तथा कंपनी की संपत्तियों की चोरी का आरोप लगाया। इसके महज तीन महीने के बाद ही एनएमसी के शेयरों को लंदन स्टॉक एक्सचेंज पर कारोबार करने से रोक दिया गया और दो सप्ताह पहले इसने घोषणा की कि उसपर लगभग 5 अरब डॉलर (लगभग 40 हजार करोड़ रुपये) का कर्ज है। यूई एक्सचेंज ने इस सप्ताह अपनी शाखाओं तथा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए नया लेनदेन बंद कर

दिया, क्योंकि यूई के केंद्रीय बैंक ने घोषणा की थी कि उसने यूई एक्सचेंज के खिलाफ जांच शुरू की है और इसके ऑपरेशंस मैनेजमेंट की जांच करेगा।

ऋषि कपूर का निधन

इससे पहले पिछले गुरुवार भी उनकी सेहत खराब हुई थी। उन्हें अस्पताल में भर्ती भी कराया गया था, लेकिन चार घंटे बाद डिस्चार्ज कर दिया गया था। बाद में चेस्ट इन्फेक्शन, सांस लेने में दिक्कत और बुखार के कारण बुधवार को उन्हें दोबारा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। उनकी हालत बिगड़ने के बाद उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया, लेकिन तड़के तीन बजे उन्होंने रिसपॉन्ड करना बंद कर दिया। जब उन्होंने अंतिम सांस ली, तब उनके साथ पत्नी नीतू और बेटे रणवीर मौजूद थे। उधर, ऋषि की बेटी रिद्धिमा को दिल्ली से मुंबई आने की इजाजत मिल गई है। ऋषि कपूर के निधन के बाद परिवार की तरफ से यह मैसेज जारी किया गया- दो साल तक ल्यूकेमिया से जंग के बाद हमारे प्यारे ऋषि कपूर का आज सुबह 8 बजकर 45 मिनट पर निधन हो गया। अस्पताल के डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ ने कहा कि वे आखिर तक उनका मनोरंजन करते रहे। दो महाद्वीपों में उनका दो साल तक इलाज चला और इस दौरान वे खुशमिजाज और जिंदादिल बने रहे। परिवार, दोस्त, लजीज खाना और फिल्में उनके फोकस में रहें। इस दौरान उनसे जो भी मिला, वह यह जानकारी ताज्जुब में था कि उन्होंने कैसे बीमारी को खुद पर हावी नहीं होने दिया। दुनियाभर में अपने फैन्स से मिल रहे प्यार के वे कर्जदार थे। उनके जाने के बाद सभी फैन्स यह समझ पाएंगे कि ऋषि चाहते थे कि वे आंसू नहीं, मुस्कुराहट के साथ याद किए जाएं।



यारों के यार थे इरफान

डाउन टू अर्थ नेचर होने के साथ ही इरफान अपने दोस्तों के साथ यारी निभाना बखूबी जानते थे। उन्होंने कभी भी अपने दोस्तों के सामने यह जताने की कोशिश नहीं की कि वह एक सफल अभिनेता हैं। वह एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री ही नहीं, जब अपने कॉलेज के दोस्तों से भी मिलते थे तो उनके साथ हमेशा मस्ती-मजाक करते थे। उनके कॉलेज फ्रेंड्स कहते थे कि इरफान बिल्कुल भी नहीं बदले हैं। शायद यही वजह थी कि इरफान की जिंदगी में जो भी दोस्त थे, वे उनपर जान छिड़कते थे।

मकबूल, लंच बॉक्स, पीकू, पान सिंह तोमर ने उन्हें अलग पहचान दिलाई

1988 में आई मीरा नायर की फिल्म 'सलाम बॉम्बे' से इरफान ने शुरूआत की थी। बाद में उन्होंने 'मकबूल', 'लाइफ इन अ मेट्रो', 'द लंच बॉक्स', 'पीकू', 'तलवार' और 'हिंदी मीडियम' जैसी फिल्मों में काम किया। उन्हें 'हासिल' (निगेटिव रोल), 'लाइफ इन अ मेट्रो' (बेस्ट एक्टर), 'पान सिंह तोमर' (बेस्ट एक्टर क्रिटिक) और 'हिंदी मीडियम' (बेस्ट एक्टर) के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला

जावेद अख्तर ने कहा- इरफान की अदायगी एक करिश्मा है

जावेद अख्तर ने बताया कि इरफान से आखिरी बार लंदन में मुलाकात हुई थी। शेर-ओ-शायरी की बातें हुईं। उन्होंने कहा था कि जल्द लौटेंगे तो फिर इत्मीनान से बात होगी। उनकी अदायगी एक करिश्मा है। बीमारी के दौरान भी काम करते रहे, ये जज्बा था उनमें।

बनना चाहते थे क्रिकेटर

इरफान को पर्दे पर देखकर ऐसा लगता ही नहीं था कि वह ऐक्टिंग कर रहे हैं। कमाल की बात तो यह है कि वह फिल्मों में इत्तेफाक से आए थे। वह बनना तो क्रिकेटर चाहते थे लेकिन नैशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में स्कॉलरशिप मिलने के बाद उनका ट्रैक चेंज हो गया।

अंतिम सांस लेने से पहले इरफान के शब्द 'अम्मा मुझे लेने आई हैं'

कब हुआ, क्या हुआ, इरफान खान की जिंदगी से जुड़े हर सवाल का जवाब है यहां

बॉलिवुड एक्टर इरफान खान का बुधवार को मुंबई के कोकिला बेन अस्पताल में निधन हो गया है। वह 54 साल के थे। उन्हें पिछले हफ्ते ही कोलन इन्फेक्शन के काण अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। इरफान लंबे समय से न्यूरोइंडोक्राइन ट्यूमर से पीड़ित थे। इरफान की जिंदगी से जुड़े हर उस सवाल का जवाब जो आप जानना चाहते हैं।
→ इरफान खान का निधन कब और कहाँ हुआ?
इरफान खान का निधन बुधवार 29 अप्रैल 2020 को मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में हुआ।
→ इरफान को कौन सी बीमारी थी?
इरफान न्यूरोइंडोक्राइन ट्यूमर से पीड़ित थे। उन्हें 2018 में इस बीमारी का पता चला।
→ इरफान कहाँ इलाज करवा रहे थे?
इरफान ने न्यूरोइंडोक्राइन ट्यूमर का इलाज लंदन में करवाया। हालांकि

बीते दिनों वह मुंबई लौट आए और कोकिलाबेन अस्पताल में रूटीन चेकअप करवा रहे थे।
→ इरफान को अस्पताल में कब भर्ती किया गया?
इरफान को बीते हफ्ते कोलन इन्फेक्शन के कारण अस्पताल में भर्ती किया गया। यह पेट में एक तरह का संक्रमण है।
→ इरफान के परिवार में कौन-कौन हैं?
इरफान के परिवार में पत्नी सुतापा सिकंदर के अलावा दो बच्चे बाबिल और अयान हैं।
→ इरफान की शादी कब हुई थी?
इरफान ने 23 फरवरी 1995 को सुतापा सिकंदर से शादी की। सुतापा और इरफान नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में साथ पढ़ते थे।
→ इरफान का जन्म कब और कहाँ हुआ था?
इरफान खान का जन्म 7 जनवरी 1966 को राजस्थान के जयपुर शहर में

इरफान ने कहा था- जिंदगी हाथ में नीबू थमाए तो शिकंजी बनाना मुश्किल हो जाता है

इरफान ने फरवरी में ऑडियो मैसेज में कहा था- कहावत है कि ढेन लाइफ गिव्ज यू लेमन, यू मेक ए लेमनेड। बोलने में अच्छा लगता है, लेकिन सच में जब जिंदगी आपके हाथ में नीबू थमाती है तो शिकंजी बनाना बहुत मुश्किल हो जाता है। लेकिन आपके पास और चॉइस भी क्या होती है पॉजिटिव रहने के अलावा।

इरफान की मौत से सदमे में परिवार, भाई घर नहीं आया लेकिन अब मां के साथ है

बॉलीवुड एक्टर इरफान खान का बुधवार को मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में निधन हो गया। इरफान के निधन के बाद नेता से लेकर अभिनेता तक ने शोक व्यक्त किया। इरफान के जाने से पूरी फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है। अब इरफान के भाई इमरान और सलमान खान ने कुछ अनसुने किस्से शेयर किए हैं। इमरान ने बताया कि इरफान को पतंग उड़ाने, क्रिकेट खेलने और घुड़सवारी का बहुत शौक था। वह मेरे काफी करीब था और पिता के निधन के बाद सारे परिवार की जिम्मेदारी हमारे ऊपर ही थी। इरफान का झुकाव हमेशा क्रिकेट और पतंग उड़ाने की तरफ, लेकिन एक्टिंग उसका जुनून था। हम सभी साथ में क्रिकेट खेलते थे और पतंग उड़ाते थे। वह कुछ अलग करना चाहता था। इरफान हमेशा दूसरों की मदद करने के लिए आगे आता था। सलमान ने भी इस दौरान अपने भाई की कई बातें याद कीं। इरफान खान ने ही बचपन में सलमान को सवाई मान सिंह स्टेडियम में स्विमिंग करना सिखाया था। इस दौरान दोनों साथ में पतंग भी उड़ाया करते थे और इरफान को ये करना काफी पसंद भी था।

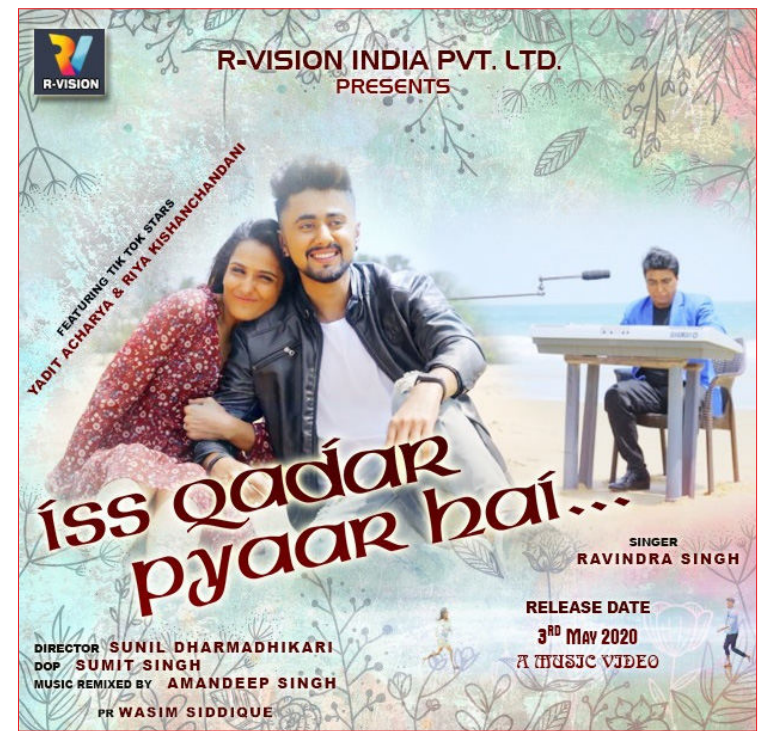
जब इरफान ने बोला- 'मैं जरूर आउंगा'

एक अन्य इंटरव्यू में इरफान के भाई इमरान ने बताया, इरफान अपनी मां सईदा बेगम की शवयात्रा में शामिल नहीं हो पाया था, लेकिन इरफान ने वादा किया था कि वह जल्द ही आएगा। अब इरफान के निधन की खबर सुनकर पूरा परिवार गहरे सदमे में है। परिवार कुछ दिन पहले तक इरफान की मां के निधन का शोक मना रहा था और अब इरफान के जाने की ही खबर आ गई। इमरान ने कहा, इरफान मां की शवयात्रा में जयपुर नहीं आ पाया था, लेकिन उसने वादा किया था कि वह जल्द ही यहां आएगा। इरफान ने कहा था कि फिक्र न करो मैं आउंगा। इरफान के भाई ने कहा, इरफान जयपुर नहीं आ सकता था लेकिन अब वह अपनी मां के साथ है। इरफान के निधन की खबर से उनके फैन्स और परिवार सभी दुखी हैं। कई बॉलीवुड हस्तियों और इरफान के को-स्टार्स रहे एक्टरों ने अपना शोक व्यक्त किया था।

विन्द्र सिंह ने म्यूजिक वीडियो 'इस कदर प्यार है' का प्रथम पोस्टर लांच किया



आर-विजन के एम डी रविन्द्र सिंह ने म्यूजिक वीडियो 'इस कदर प्यार है' का प्रथम पोस्टर हाल ही में रिलीज किया, इस एल्बम में टिकटोक के सितारे यादीत आचार्य एवं रिया किशनचंदानी ने अभिनय किया है। इसकी शूटिंग गोआ के रमणीय स्थानों पर किया गया है और इसका निर्माण आर-विजन ने किया है। गीत को स्वर स्वयं रविन्द्र सिंह ने दिया है, संगीत के री-कंपोजर अमनदीप सिंह हैं, निर्देशन सुनील धर्माधिकारी का है और छायांकन सुमित सिंह का है। रविन्द्र सिंह ने यादीत आचार्य और रिया किशनचंदानी को इस म्यूजिक वीडियो से पहली बार इंट्रोड्यूस किया है, ये टिकटोक के लोकप्रिय सितारे हैं। रविन्द्र सिंह ने दोनों कलाकारों और पूरी टीम को इस एल्बम के हेतु भरपूर प्रशंसा की। निर्माता के रूप में रविन्द्र सिंह और संगीतकार अमनदीप सिंह ने कलाकारों पर पूर्ण विश्वास करते हुए इस एल्बम की सफलता पर पूर्ण विश्वास व्यक्त किया। गायक, निर्माता रविन्द्र सिंह की संगीत के प्रति इतनी दीवानगी है, कि अब तक वह कई गीत



और म्यूजिक वीडियो अपनी कंपनी आर-विजन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के जरिए दर्शकों को दे चुके हैं। उनकी पिछली म्यूजिक वीडियो 'मुंडे बंदने सारे'

थी, जो जबरदस्त हिट हुई थी। फिलहाल अभी कई और विषयों पर एल्बम बनाने की तैयारी में है। 'इस कदर प्यार है' ३ मई २०२० को रिलीज हो रही है।

उच्च एवं तकनीकी पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं 31 मई तक होने की संभावना नहीं

राज्य के मंत्री उदय सामंत ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र में उच्च और तकनीकी शिक्षा पाठ्यक्रमों के लिए स्नातक और स्नातकोत्तर की परीक्षा 31 मई से पहले आयोजित होने की संभावना नहीं है। उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्री ने कहा कि 24 मार्च को लॉकडाउन के कारण परीक्षाएं स्थगित होने की वजह से उसकी समय तालिका प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा, उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्रालय द्वारा 31 मई तक स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षा आयोजित करने की संभावना नहीं है।

उन्होंने कहा कि लगभग 30-35 लाख छात्रों के परीक्षा में शामिल होने की उम्मीद थी। मंत्री ने बताया, आम तौर पर, किसी परीक्षा की घोषणा से लेकर पेपर के मूल्यांकन तक की पूरी अवधि में 90 दिन लगते हैं। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि इस तरह परीक्षा करने में अगले दो-तीन महीने लगेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की रिपोर्ट का इंतजार कर रही है, जबकि परीक्षा संपन्न करने को लेकर महाराष्ट्र में कुलपतियों की समिति की एक रिपोर्ट तैयार है।

विदेश में घूमने का है प्लान तो देखना न भूलें ये 10 खूबसूरत जगहें

विदेशों में घूमने के लिए एक से बढ़कर एक खूबसूरत जगहें हैं। गर्मियों में घूमने के लिए आप ऐसी ही खूबसूरत जगहों का ट्रिप प्लान करते हैं। हम भी आज आपको इस लिस्ट में ऐसी ही कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां जाकर आपका वापस आने का मन नहीं करेगा। अगर आप भी विदेशों में घूमने का प्लान रहे हैं तो इन जगहों को देखना न भूलें।

1. Canada, Banff National Park
पहाड़, ग्लेशियल, साफ पानी की झील देखने के लिए कनाडा के राष्ट्रीय उद्यान में जरूर जाएं। इस नेशनल पार्क की फेयरमोंट



चेटौ झील के किनारे आराम का मजा और शानदार दृश्यों को देख सकते हैं।

2. Iceland, Blue Lagoon

रिक्जैविक शहर के दक्षिण-पश्चिम में स्थित आइसलैंड के प्रसिद्ध ब्लू लैगून को देखने के लिए टूरिस्ट दूर-दूर से आते हैं। यहां आप समुद्र के पानी को ट्रेडमार्क रंग में देख सकते हैं, जोकि इसकी सुंदरता को और भी बढ़ाता है।

3. Italy, Amalfi Coast

गर्मियों की छुट्टियों में फुल एंजॉय करने के लिए यह शहर बिल्कुल परफेक्ट है। वैसे तो इटली में घूमने के लिए बहुत से जगहें हैं लेकिन अमाल्फी कोस्ट में आप पहाड़, कस्बे और पॉजिटानो को एक साथ देखने का मजा ले सकते हैं।

4. French Polynesia, Bora Bora
इस आइलैंड पर पानी के ऊपर बने घरों में

आप अपने वीकेंड को आराम से स्पेंड कर सकते हैं। फिरोजा लागोन, कोरल रीफ और ओवरवॉटर बंगलों के कारण यह खूबसूरत द्वीप स्वर्ग से कम नहीं लगता है।

5. Newzealand, Fiordland National Park

इस पार्क में आप चारों तरफ हरियाली से ढके खूबसूरत पहाड़ देख सकते हैं। फिओर्डलैंड नेशनल पार्क लुपिन-स्पॉटिंग जाने के लिए यह जगह सबसे खूबसूरत शहरों में है। यहां आप मिलफोर्ड साउंड का अजीबो-गरीब घर भी देख सकते हैं।

6. Myanmar, Bagan

म्यांमार में आप चारों तरफ फैली हरियाली, धार्मिक स्थल, बौद्ध मंदिर और प्राचीन पगोडों को देख सकते हैं। इसके अलावा आप यहां हॉट एयर बैलून में घूमने का मजा ले सकते हैं। आसमान की ऊंचाई से इस शहर की खूबसूरत को देखने का मजा सबसे अलग है।

7. Brazil, Fernando De Noronha
खूबसूरत होने के साथ ही यह देश दुनिया के सबसे विविध जीवों का देश माना जाता है। दुनिया की सबसे बड़ी नदी अमेजन और अमेजन जंगल ब्राजील में ही मौजूद हैं।

यहां आप ज्वालामुखीय द्वीप समूह, समुद्र किनारे सफेद रेत, समुद्री कछुए-डॉल्फिन और क्रिस्टल की तरह साफ पानी को देख सकते हैं।

8. China, Beijing, Forbidden City

चीन की बीजिंग शहर में स्थित इस छोटी-सी फोर्बिडन सिटी को देखने के लिए हर साल कई टूरिस्ट आते हैं। इस प्राचीन शहर में आप शाही महल और प्राचीन चीनी वास्तुकला का अद्भुत नमूना देख सकते हैं।

9. Australia, Great Ocean Road
ऑस्ट्रेलिया घूमने जा रहे हैं तो इस जगह पर ड्राइव करना न भूलें। मेलबोर्न पश्चिम में समुद्र तट और पहाड़ों पर से होते हुए इस रोड का सफर आपके ट्रिप को दोगुना कर देगा। इस तट के साथ-साथ टूरिस्ट यहां ग्रेट ओटवे नेशनल पार्क को देखने के लिए भी आते हैं।

10. Arizona, Havasu Falls
अपनी खूबसूरत के लिए मशहूर यह वॉटरफॉल आपको गर्मियों में भी ठंडक का अहसास करवाएगा। ग्रांड कैन्यन नेशनल पार्क के स्थित इस वॉटरफॉल में आप नीरे, हरे पानी में तैरने का मजा ले सकते हैं।

मुंबई हलचल राशिफल

-आचार्य परमानंद शास्त्री

मेघ: बेरोजगारी दूर होगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न लें।

वृष: कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। फालतू खर्च अधिक होगा। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम न उठाएं।

मिथुन: डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। ऐश्वर्य पर खर्च होगा। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे।

कर्क: वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में लापरवाही न करें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। धैर्य रखें।

सिंह: कोर्ट व कचहरी में लाभ की स्थिति बनेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी।

कन्या: वोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। कुसंगति से बचें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। धैर्य रखें।

तुला: यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल लाभ देंगे। घर-परिवार की चिंता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी।

वृश्चिक: शत्रु परास्त होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। संपत्ति के कार्य लाभदायक रहेंगे।

धनु: मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। परिवार की चिंता रहेगी। धनार्जन होगा।

मकर: बुरी सूचना मिलने से तनाव रहेगा। दौड़धूप अधिक होगी। विवाद से बचें। व्यवसाय धीमा चलेगा।

कुंभ: मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी।

मीन: बिछड़े साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहजनक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। लाभ होगा।

बच्चों के साथ गर्मियों में घूमने जाएं इस जगहें

गर्मी की छुट्टियां मतलब ढेर सारी मौज-मस्ती। न जल्दी उठने की चिंता न स्कूल, कॉलेज जाने की परवाह। परवाह है तो बस खेल-कूद, मस्ती, दोस्तों और घूमने की। बच्चे गर्मियों की छुट्टियों में उन जगहों पर जाना पसंद करते हैं जहां पहाड़, हरियाली हो। अगर इस बार आप भी बच्चों के साथ ऐसी ही किसी जगह पर जाने का प्लान बना रहे तो आप उत्तराखंड जा सकते हैं। यहां पर आप वेकेशन एन्जॉय करने के साथ ठंडक का अहसास भी कर सकते हैं।

1. नैनीताल

बच्चों के साथ घूमने जाने के लिए नैनीताल सबसे अच्छी जगह है। चारों ओर से पहाड़ों और झीलों से घिरा ये शहर घूमने के लिए बेस्ट है। इस जगह पर आप किसी भी मौसम में जा सकते हैं। नैनी झील में बोटिंग का भी लुफ्त उठाया जा सकता है।

2. मुक्तेश्वर

मुक्तेश्वर भी न्यू कपल्स और गर्मियों में घूमने के लिए लोगों की पहली पसंद बनती जा रही है। जिन लोगों को शांति और हरियाली का एक साथ देखना अच्छा लगता है उनके मुक्तेश्वर बेस्ट ऑप्शन है।

3. अल्मोड़ा



नैनीताल से 67 किलोमीटर की दूरी अल्मोड़ा स्थित है। इसको भारत का स्विट्जरलैंड भी कहा जाता है। कम पैसे में विदेश की सैर करना चाहते हैं तो अल्मोड़ा जा सकते हैं। अल्मोड़ा के बाद आप रानीखेत भी जा सकते हैं।

4. रानीखेत

नैनीताल में घूम कर अगर आप थोड़े बोर हो गए हैं तो रानीखेत में भी घूमने के लिए जा सकते हैं। यह कुमाऊं इलाके का सबसे खूबसूरत हिल स्टेशन है।

एक कुंवारी की मांग फेसबुक पर होनी चाहिए जीवन साथी तलाशने की सुविधा

आप में से ज्यादातर लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर फोटो शेयर करते हैं कई वीडियो शेयर करते हैं या अपने विचार साझा करते हैं। साथ ही अपने साथियों से जुड़े रहते हैं। ऐसे में केरल की एक लड़की ने अनोखी कोशिश की है। इस लड़की ने अपना जीवन साथी ढूंढने के लिए फेसबुक का इस्तेमाल किया है। पेशे से डिजाइनर केरल के मलपुर्गम की रहने वाली ज्योती केजी ने एक पोस्ट किया है जो खासा वायरल हो रहा है। फेसबुकमैट्रोमोनी नाम से उसका हैशटैग काफी पसंद किया जा रहा है। केजी ने अपने दोस्तों से दूल्हा ढूंढने में मदद करने लिए कहा है। उसने अपने वैवाहिक पोस्ट में बताया है कि उनकी कोई शर्त नहीं है, न कुंडली की जरूरत है, न कोई जाति महत्वपूर्ण है। ज्योति ने अपने वॉल पर लिखा है कि वे सिंगल हैं, अगर उनका कोई दोस्त किसी को जानता है तो उन्हें बताएं। उनकी कोई मांग नहीं है। कुंडली या फिर जाति महत्वपूर्ण नहीं है। ज्योति ने बताया कि उनके माता-पिता जिंदगी नहीं हैं और उन्होंने फैशन डिजाइनिंग से बीएससी किया है। उनकी उम्र 28 साल है।

मानो ना मानो एक गाने ने उसे कोमा से बाहर आने को किया मजबूर

किरसा चान के ह्युआन नाम की जगह पर एक 24 साल की लड़की पिछले साल नवंबर 2017 में दिमाग को ऑक्सीजन ना मिलने के चलते कोमा में चली गई थी। उसके दिमाग ने काम करना बंद कर दिया था। हालांकि डाक्टरों को पूरी उम्मीद थी कि वो ठीक हो सकती है। इस कोशिश में उसकी तीमारदारी में लगे नर्सिंग स्टाफ ने कई कोशिशें की थीं। उसे मजेदार चुटकुलों से लेकर रोचक किस्से तक सब सुनाये गए, पर किसी ने काम नहीं किया। काम किया



एक मशहूर पॉप सांग ने। चीनी समाचार पत्रों की मानें तो चीन के हुआई प्रांत

के इस इलाके में बने अस्पताल में भर्ती इस लड़की के इलाज के जब सारे प्रयास फेल हो गए तब एक गाने ने चमत्कार कर दिखाया। लड़की को जगाने की कोशिश के तौर पर उसके पास मौजूद मेल नर्स ने उसे ताइवानी पॉपस्टार जे चाऊ का गाना सुनाना शुरू कर दिया। लड़की ने गाना सुना और वो कोमा से जाग गई। इस कमाल से अस्पताल के स्टाफ भी हैरान हैं। तीमारदारी कर रहे नर्स ने बताया कि वो अक्सर जे चाऊ के गानों को सुनते हैं इसलिए उसे लगा कि हो सकता है लड़की को

भी उसका गाना पसंद आएगा। इसलिए वो उसके 2006 के एक हिट गाने 'रोजमेरी' को गुनगुनाने लगे। इसे सुन कर लड़की की आंखें खुल गईं और वो हल्का सा मुस्कराई भी। इस पर नर्स ने उसके पैरों और उंगलियों को हिलाने का प्रयास किया और आसानी से ऐसा हो गया। जब वे गा रहे थे तो डॉक्टर भी बेड के पास ही खड़े थे। होश में आने पर उसने लड़की से पूछा कि क्या उन्होंने अच्छा गाया तो उसने कमजोर आवाज में कहा कि बुरा नहीं था।

मेकअप करने में ज्यादा समय लगता है तो अपनाएं ये छोटे-छोटे Beauty Hacks



घर से कहीं बाहर जाना हो तो औरतें सबसे ज्यादा समय तैयार होने में लगाती हैं। चेहरे को संवारने के बाद हेयरस्टाइल, नेल पेंट और न जानें उन्हें क्या-क्या करना पड़ता है। कई बार तो समय कम होने से उनका मेकअप अधूरा रह जाता है। फिर उन्हें ख्याल आता है कि काश ब्यूटी के भी कोई शॉर्टकट होते, जिससे वह कम समय में भी आसानी से सज-संवर जाती। आपकी इन्हीं उलझनों को सुलझाने के लिए कुछ ट्रिक्स आपके काम आ सकते हैं।

हेयर लाइन को टूथब्रश से करें सेट

कहीं जाना हो तो हेयरस्टाइल आपकी लुक को परफेक्ट बनाने का काम करता है। हेयर लाइन पर छोटे-छोटे बाल हेयरस्टाइल को खराब लुक देते हैं। इन्हें सेट करने में भी अच्छी खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है। आप भी इससे परेशान हैं तो इनके लिए टूथब्रश का इस्तेमाल कर सकते हैं। टूथब्रश पर थोड़ा हेयर स्प्रे लगाकर आगे के बालों को आराम से सेट कर सकती हैं। काम जल्दी हो जाएगा।

बालों में लाएं वॉल्यूम

बालों को हर रोज थोना आसान नहीं है। चिपके बालों के साथ आप घर से बाहर नहीं जा सकते। आपकी चिपकू लुक पर्सनलिटी को खराब कर देती है। इसके लिए बेबी पाउडर को कंधी पर लगाकर इससे बाल बनाएं। ऑयल खत्म हो जाएगा। इसके अलावा बालों के कलर से मेल खाते आइशैडो को अपने स्कैल्प और हेयरलाइन पर लगा लें। बाल मोटे नजर आएंगे।

जल्दी सुखाएं नेल पॉलिश

नेल पॉलिश को जल्दी सुखाने के लिए एक गिलास पानी में बर्फ डाल लें और इसमें कुछ देर के लिए अपनी उंगलियां डुबोएं। नेल पॉलिश जल्दी सुख जाएगी।

नहीं फैलेगा काजल

गर्मी में काजल जल्दी फैल जाता है और काजल के बिना आंखों की लुक भी खराब लगती है। ऐसे में स्मज से बचने के लिए काजल के पहले हेयर ड्रायर से गरम करें और इसे ब्रश की मदद से लगाएं। काजल ज्यादा देर तक टिका रहेगा।

सूखा मस्कारा ऐसे करें ठीक

मस्कारा सूख गया है तो इसे दोबारा इस्तेमाल करने के लिए लैंस सलूशन की कुछ बूंदें इसमें डाल लें।

विटामिन ठ भी है शरीर के लिए बहुत जरूरी, मिलते हैं ये 5 फायदे

स्वस्थ और फिट रहने के लिए

हैल्दी डाइट के साथ-साथ विटामिन्स भी बहुत जरूरी हैं। विटामिन एन शरीर को नेचर यानि प्रकृति से मिलने वाला विटामिन है। आजकल ज्यादातर लोग प्रकृति से दूर हो गए हैं, जिसके कारण शरीर में विटामिन एन की कमी हो जाती है और वह बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। मगर शायद ही कोई जानता है विटामिन एन शरीर को अस्थमा से लेकर दिल की बीमारियों से बचाने में मददगार होता है। सही मात्रा में विटामिन एन लेने से आप कभी बीमारी नहीं पड़ेंगे लेकिन यह आपको शुद्ध वातावरण और प्रकृति से ही मिलता है। आइए आपको बताते हैं कि विटामिन एन से शरीर को क्या-क्या फायदे होते हैं।



1. अस्थमा से बचाव
विटामिन एन लेने से अस्थमा की समस्या नहीं होती है। ज्यादा से ज्यादा समय प्रकृति के करीब रहने से दिल और फेफड़े स्वस्थ रहते हैं जिससे अस्थमा होने का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। दरअसल, अस्थमा का एक मुख्य कारण वायु प्रदूषण भी है और पौधे व पेड़ों के करीब रहने या शुद्ध हवा लेने से फेफड़ों और दिल पर प्रेशर नहीं पड़ता है।

2. नहीं बढ़ता है मोटापा
रिसर्च के अनुसार शहरों में रहने वाले लोगों की अपेक्षा हरियाली और प्राकृतिक वातावरण के निकट रहने वाले लोग ज्यादा हैल्दी और मेटली फिट रहते हैं। क्योंकि

उन्हें भरपूर मात्रा में विटामिन एन मिलता है। रोज एक घंटा पार्क या नेचुरल जगहों पर एक्सरसाइज, सैर करने से मोटापे की शिकायत नहीं होती है।

3. दिल भी रहता है स्वस्थ
प्रकृति के करीब रहने से दिल भी स्वस्थ रहता है। एक्सरसाइज करने से स्वास्थ्य को ठेकें फायदे मिलते हैं लेकिन प्रकृति या हरियाली से भकपूर जगह पर एक्सरसाइज करने से इसके फायदे कई गुना बढ़ जाते हैं। हरी-भरी जगह में एक्सरसाइज करने से बल्ड साकु लॉ शान सही रहता है, जिससे दिल स्वस्थ रहता है और बीमारियों का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है।

4. याददाश्त और सीखने की क्षमता बढ़ाए
शुद्ध हवा और वातावरण में रहने से मानसिक थकान से राहत मिलती है, जिससे आपकी याददाश्त और सीखने की क्षमता में सुधार होता है। एक अध्ययन अनुसार, करीब 50 मिनट के लिए प्रकृति के बीच समय बिताने वाले लोगों का प्रदर्शन स्मृति परीक्षण में बेहतर होता है।

5. अलर्जाइमर का खतरा करें कम
टेंशन और तनाव के कारण आजकल लोगों में अलर्जाइमर का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। ऐसे में हरियाली में ज्यादा समय रहने से आप इस बीमारी के खतरे को भी कम कर सकते हैं। अलर्जाइमर एक ऐसी समस्या है, जिसमें ज्यादा समय एक्सरसाइज करने और हरियाली में रहना दिमाग के लिए फायदेमंद होता है।

अपर लिप्स के कालेपन को आसानी से दूर करेंगे टिप्स

लड़कियां अपने चेहरे की ब्यूटी बरकरार रखने के लिए न जाने क्या कुछ नहीं करती। ब्लीचिंग से लेकर श्रैडिंग तक का सहारा लेती हैं। यहां तक की अपर लिप्स के अनचाहे बाल हटाने के लिए भी समय-समय पर ब्लीचिंग और अपल लिप्स एरिया पर श्रैड मरवा लेती हैं लेकिन कई बार धूप, हाइपर पिग्मेंटेशन और श्रैडिंग की वजह से वहां की स्किन काली पड़ जाती है, जो देखने बेहद भद्दी लगती है। कई तरीके अपनाने के बाद भी इस समस्या से छुटकारा नहीं मिल पाता। अगर आपके अपर लिप्स की स्किन भी काली होने के बाद भद्दी लगने लगी है तो आज हम आपको कुछ तरीके बताएंगे, जिससे डार्क अपर लिप्स की समस्या झट से गायब होती दिखाई देगी।

1. नारियल तेल या नारियल का पानी
नारियल तेल या इसका पानी डार्क अपर लिप्स के लिए काफी कारगर साबित होता है। रोज रात को सोते समय अपर लिप्स पर नारियल तेल या नारियल पानी लगाएं। फिर सुबह ठंडे पानी से साफ कर लें।
2. खीर का रस
खीरा स्किन की जलन या रैशेज में आराम दिलाता है, वहीं खीर का रस निकालकर अपर लिप्स पर लगाया जाए तो डार्क स्किन से निजात मिलती है। सूखने के बाद इसे ठंडे पानी से धो लें।
3. दूध की मलाई
आप चाहे तो रात को सोते समय अपर लिप्स पर मलाई लगा सकते हैं।

सावधान! एचआईवी का संकेत देते हैं शरीर में होने वाले ये 10 बदलाव

एचआईवी एक ऐसा वायरस है, जिस वजह से एड्स होता है। यह बीमारी बाँड़ी में लक्ष्य वायरस के एक्टिव होने पर होती है। यह वायरस बाँड़ी में इन्फेक्शन पैदा कर इम्यून सिस्टम को कमजोर करने लगता है। ऐसे में पेशेंट को छोटी-मोटी बीमारियों में भी बहुत परेशानी होती है। एचआईवी से संक्रमित होने पर काफी दिनों बाद भी इस बीमारी के लक्षण पता चल पाते हैं लेकिन यदि सावधानी बरती जाए तो समय रहते इस बीमारी का पता लगाया जा सकता है। आज हम आपको इसके साधारण से दिखने वाले कुछ लक्षणों के बारे में बताएंगे, जिनके बारे में हर किसी को जानकारी होनी चाहिए। इस तरह के लक्षण दिखने पर आपको तुरंत चेकअप करना चाहिए।

एड्स के लक्षण

1. मांसपेशियों में जकड़न



जकड़न होने लगती है जो एचआईवी का शुरूआती लक्षण माना जाता है।

2. थकान

एचआईवी का वायरस हमारे शरीर के कार्यक्षमता पर काफी बुरा प्रभाव डालता है। इसीलिए यदि आपको ज्यादा थकान महसूस होने लगी है तो आपको सावधान होने की जरूरत है क्योंकि ज्यादा थकान होना या हर समय थकावट महसूस करना एच आई वी का

शुरूआती लक्षण होता है।

3. वजन कम होना

एचआईवी के मरीज का वजन एकदम से नहीं धीरे-धीरे घटना शुरू हो जाता है। बहुत से लोग सोचते हैं तो उनकी वजन कम हो रहा है लेकिन इस मामूली बात न समझे बल्कि डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

4. बार बार बुखार आना

वैसे तो बुखार आना एक सामान्य बात होती है लेकिन यदि बुखार आपको बार बार आता है और लम्बे समय तक रहता है तो आपको सतर्क हो जाना चाहिए क्योंकि हर 2-3 दिन में बुखार महसूस होना और तेज बुखार आना एच आई वी का सबसे पहला लक्षण होता है।

5. शरीर पर नीले निशान पड़ना

एचआईवी होने पर मुँह, आंखों के नीचे और नाक पर लाल, नीले और बैंगनी रंग के निशान पड़ जाते हैं, जिसे आप अक्सर इग्नोर कर देते

हैं। इन्हे मामूली धब्बे न समझे बल्कि डॉक्टर की जांच करवाएं।

6. दस्त लगना

अगर आपको 2-3 हफ्ते से भी ज्यादा पतले दस्त हो रहे हैं तो तुरंत डॉक्टर से चेकअप करवाएं। कुछ लोग दस्त लगने की समस्या को मामूली समझ लेते हैं लेकिन ऐसी भूल बिल्कुल न करें। 2-3 हफ्ते से ज्यादा दस्त एचआईवी का संकेत होता है।

7. सूखी खांसी

मौसम में बदलाव के कारण तो अक्सर खांसी की समस्या हो जाती है लेकिन 3-4 हफ्ते तक खांसी रहना एचआईवी का संकेत होता है। इसके अलावा एचआईवी के कारण गले में खराश और गला पकने की समस्या भी हो जाती है।

8. बेवजह तनाव होना

आजकल तो हर व्यक्ति किसी न किसी कारण

से तनाव का शिकार है। इसे दूर करने के लिए आप एक्सरसाइज और अच्छी डाइट लेते हैं। अगर फिर आप तनाव से घिरे रहते हैं तो इसे अनदेखा बिल्कुल न करें। तुरंत डॉक्टर से चेकअप करवाएं।

9. सिरदर्द

एचआईवी से संक्रमित होने पर प्रतिरोधक क्षमता पर काफी असर पड़ता है। इसीलिए संक्रमित व्यक्ति हमेशा सिरदर्द जैसे समस्याओं से जूझता रहता है। यदि आपको भी बार-बार सिरदर्द जैसी समस्या हो रही है तो फोरन जांच करवाएं।

10. जोड़ों में दर्द व सूजन

उम्र के साथ-साथ जोड़ों में दर्द व सूजन होना सामान्य माना जाता है, लेकिन कहीं यह समय से पहले हो जाए, तो इस पर सोचने की जरूरत है। इसे हल्के में लेने की भूल न करें। यह एचआईवी का इशारा हो सकता है।



जब करीना ने अभिषेक को बताया करीबी दोस्त

कोरोना वायरस के चलते 3 मई तक लॉकडाउन लागू कर दिया गया है। ऐसे में भी सितारे घरों में बंद हैं। स्टार्स फैन्स के लिए अपनी तस्वीरें शेयर कर रहे हैं। वहीं कई सितारे फैन्स से पुरानी तस्वीरें भी शेयर कर रही हैं। अब इस लिस्ट में बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान का नाम भी शामिल हो गया है। करीना कपूर ने अपनी पहली फिल्म रिफ्यूजी की कुछ बातें याद की हैं। इस दौरान करीना कपूर ने अपने को-स्टार अभिषेक बच्चन की तारीफ भी की है। खबर के मुताबिक, करीना ने अभिषेक को अपना करीबी दोस्त बताते हुए कहा, हे भगवान, मैं अभिषेक के बारे में और भी बता सकती हूँ क्योंकि वह कमाल हैं। मेरा उनके साथ काम करना सबसे शानदार अनुभव था क्योंकि सबसे पहले, वह को-स्टार नहीं हैं, वह मेरे सबसे करीबी दोस्त में एक हैं। करीना कपूर खान की गिनती आज बॉलीवुड की सबसे कामयाब एक्ट्रेस में होती है। करीना कपूर ने फिल्म रिफ्यूजी से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में करीना के साथ अभिषेक बच्चन भी लीड रोल में थे। फिल्म की कहानी भी शरणार्थियों पर आधारित थी। साल 2000 में रिलीज हुई रिफ्यूजी को जे.पी.दत्ता ने डायरेक्टर किया था।

सलमान खान के फार्महाउस पर जैकलीन, कैसे काट रही दिन?

जैकलीन फर्नांडिस इन दिनों सलमान खान के पनवेल फार्महाउस में हैं। दरअसल, जैकलीन भी सलमान के साथ फार्महाउस गई थीं, लेकिन लॉकडाउन के कारण वो भी वहीं पर हैं। अब एक्ट्रेस ने बताया कि सलमान के फार्महाउस पर उनके दिन कैसे बीत रहे हैं। उन्होंने कहा- फार्म पर मैंने घुड़सवारी की। स्विमिंग की। खुद को फिट रखने के लिए मैं योगा कर रही हूँ। प्रकृति के बीच इतना अच्छा कभी नहीं लगा। इस लॉकडाउन ने मुझे उन एक्टिविटी के लिए अधिक समय देने में मदद की है जो मुझे पसंद हैं। इसमें पढ़ना भी शामिल है। लॉकडाउन में एक्ट्रेस अपने करीबी दोस्तों के साथ हैं, लेकिन जैकलीन अपने माता-पिता को याद कर रही हैं। जैकलीन ने कहा- इससे पहले, मैं उनके साथ बहुत ज्यादा टच में नहीं होती थी, लेकिन हाल ही में, मैं वर्चुअली उनके साथ बहुत समय बिता रही हूँ। इसी के साथ जैकलीन अपनी बिल्लियों को बहुत मिस कर रही हैं जो मुंबई में उनके घर पर हैं। सबकुछ ठीक होने के बाद जैकलीन जॉन अब्राहम के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगी। इस बारे में बात करते हुए जैकलीन ने कहा- मैं बहुत बेसबी से शूट शुरू होने का इंतजार कर रही हूँ। तैयार होना, फन करना मैं ये सब बहुत मिस कर रही हूँ।

लॉकडाउन में एडिटिंग सीख रही हैं अलाया फर्नीचरवाला

कोरोना वायरस पर काबू पाने के लिए अभी देशभर में लॉकडाउन लागू किया गया है। स्टार्स भी सरकार के इस कदम का पूरी तरह पालन कर रहे हैं। इसके अलावा स्टार्स फैन्स से भी लॉकडाउन का पालन करने के लिए कह रहे हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस अलाया फर्नीचरवाला भी घर में मौजूद हैं। इस दौरान अलाया कई चीजों पर खास ध्यान दे रही हैं। खबर के मुताबिक, अलाया फर्नीचरवाला ने बताया कि लॉकडाउन के चलते उनके पास काफी खाली समय है। इस समय को वह पॉजिटिव तरीके से इस्तेमाल करना चाहती हैं। इस दौरान अलाया लर्निंग, रीडिंग और फिल्में देखकर ही अपना ज्यादा समय बिता रही हैं। इसके अलावा जो सबसे खास है कि अलाया फर्नीचरवाला फोटोशॉप इस्तेमाल करना सीख रही हैं और अपनी एडिटिंग स्किल सुधार रही हैं। अलाया एडिटिंग सॉफ्टवेयर Avid में कोर्स के जरिए भी कई नई प्रकार की एडिटिंग सीखने पर ध्यान दे रही हैं। इस सॉफ्टवेयर को अलाया ने न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी में इस्तेमाल किया था जब वह डायरेक्शन पढ़ रही थीं। एडिटिंग सीखने के लिए अलाया ऑनलाइन मास्टरक्लास भी ले रही हैं। अलाया ने कहा कि एडिटिंग सीखने से वह अपनी एक्टिंग को भी सुधार रही हैं। इससे वह वह एक अलग दृष्टिकोण से भूमिका निभा सकती हैं। अलाया फर्नीचरवाला की पहली फिल्म जवानी जानेमन रिलीज हो चुकी है। फिल्म में अलाया ने सैफ अली खान के साथ काम किया है। अलाया ने अपनी पहली फिल्म में काफी अच्छी एक्टिंग की है। पहली फिल्म के साथ ही अलाया ने काफी वाहवाही बटोरी है।

